647510 **BRS2HinF501B** **Seat No :________**

B.R.S. Semester - 2 (*CBCS*) Examination

March/April – 2023 (New Course)

HINDI (FND-5)

Time: 2:30 Hours **Marks: 70**

Instructions:

1. All questions are compulsory.
2. Figures to the right indicate marks.

प्रश्न. १ जयद्रथवध काव्य के सात सर्ग की कथावस्तु लिखे । (१४)

अथवा

प्रश्न. १ कवि श्री मैथिली शरण गुप्तजी का जीवन-कवन लिखे ।

प्रश्न. २ निम्नांकित प्रश्नों के सुचनानुसार उत्तर दे ।

(अ) निम्नांकित मुहावरोंमें से सात मुहावरो के अर्थ दे । (०७)

१) श्री गणेश करना ।
२) जान हथेली पर रखना ।
३) ठंडी आहें भरना ।
४) चल बसना ।
५) ठेस लगना ।
६) आस्तीन का सांप होना ।
७) कूट-कूट कर रोना ।
८) आंखे नम होना ।
९) अंधे की लकडी होना ।
१०) बाहें फैलाना ।

प्रश्न. २ (ब) स्वर-और व्यंजन की परिभाषा देकर स्वर और व्यंजन का परिचय दे । (०७)

अथवा

(ब) नीम्नांकित परिच्छेद का गुजराती भाषा में अनुवाद करें ।

प्रकृति हमे स्वावलंबन का पाठ पढाती है । पक्षी और जानवर अपने बच्चों को तभी तक पालते है जब तक वे अशक्त रहते है । पक्षी के बच्चे जब उडने लगते है तब वे उन्हें छोड देते हैं । बच्चों को अपना भोजन अपने आप ढुंढना पडता है । सुधरे हुए देशों में भी यही बात है। बच्चों के उपर मां-बाप की देखभाल तभी तक रहती है, जब तक वे विद्यार्थी जिवन में है । उसके बाद वे स्वतंत्र हो जाते है । और अपना भार खर्च आप शंभाल लेते है । स्वावलंबी बनने से दुनिया में सहि-गलत-अच्छाइया-बुराईयों- का पता चलता है । और अनुभवी बनते है ।

प्रश्न. ३ नीम्नांकित संदर्भो में से कीन्ही दो संदर्भो की सविस्तार व्याख्या देकर समजाईए : (१४)

१) मैं सत्य हुँ सखे । सुकुमार मत मानो मुजे,
यमराज से भी युध्ध को प्रस्तुत सदा जानो मुझे ।
है और की तो बात ही क्या गर्व मैं करता नहीं
मामा तथा निज तात से भी समर मैं डरता नहिं ॥

२) मैं यह नहीं कहती कि रिपु से जीवितेश लडे नहिं,
तेजस्वियों की आयु भी देखी भला जाति कहीं ?
मैं जानती हुं नाथ । यह मै मानती भी हुं तथा
उपकरण से क्या शलित में ही सिध्धी रहती सर्वथा ।

३) है पुत्र दुर्लभ सर्वथा अभिमन्यु सा संसार में
थे सर्वगुण उस धर्मधारी धीर-वीर कुमार में
वट बाल होकर भी मृदुल अति प्रौढ था निज काम मैं
बावें अलौकिक थी सभी उस दिव्य शोभा धाम में ॥

४) साक्षी रहे संसार, करता हुं प्रतिज्ञा पार्थ मैं,
पुरा हल करुंगा कार्य सब कथनानुसार यथार्थ मैं
जो एक बालक को कपट से हंसते है अभी
वे शत्रु सत्वर शोक सागर में मग्न दीखेंगे सभी ॥

प्रश्न. ४ अभिमन्यु एक श्रेष्ठ वीर है – उक्ति के आधार पर चरित्र चित्रण करें । (१४)

अथवा

प्रश्न. ४ श्रत्रिय नारी उत्तरा का चरित्र चित्रण करें

प्रश्न. ५ खंडकाव्य के लक्षणों की द्रष्टि से काव्य का मुल्यांकन करें । (१४)

अथवा

प्रश्न. ५ जयद्रथ वध काव्य में कवि ने दिये हुए विविध संदेश उदेश्यों की चर्चा करें ।

****